



Archit



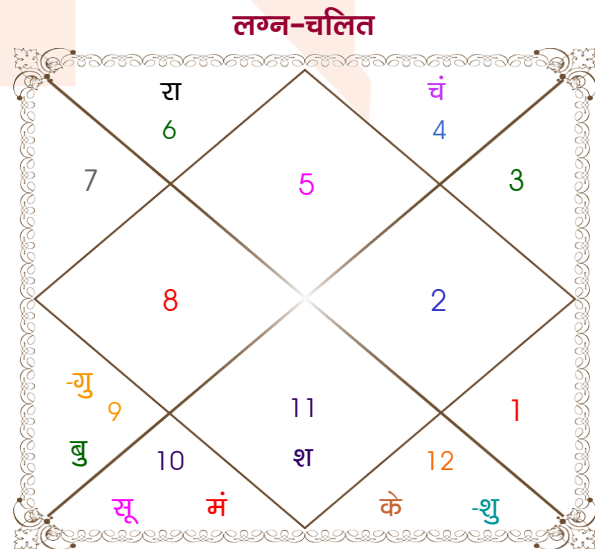
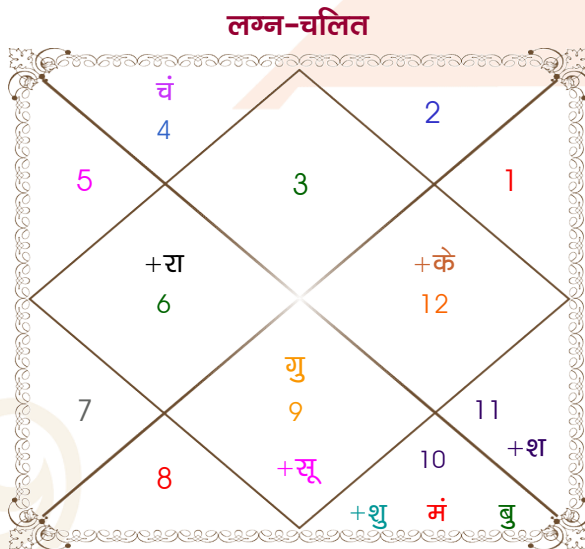
Aditi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119458402

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 07/01/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 04/02/1996
 रविवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 16:20:00 : _____ जन्म समय _____ : 20:36:00 घंटे
 घटी 23:17:27 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 34:12:42 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Hardoi : _____ स्थान _____ : Lucknow
 27:23:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:50:00 उत्तर
 80:06:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 80:54:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:09:36 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:06:24 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:01:01 : _____ सूर्योदय _____ : 06:50:54
 17:30:18 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:49:54
 23:48:13 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:48:17

विंशोत्तरी शनि 9वर्ष 8मा 23दि केतु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 11वर्ष 7मा 15दि शुक्र	
01/10/2022		07:54:35	मिथु	लग्न	सिंह	28:34:31	20/09/2014	
01/10/2029		22:36:39	धनु	सूर्य	मक	21:16:43	20/09/2034	
		09:50:15	कर्क	चंद्र	कर्क	20:52:54		
		05:24:26	मक	मंगल	मक	27:36:13		
केतु	27/02/2023	10:49:00	मक	बुध	धनु	26:51:31	शुक्र	20/01/2018
शुक्र	28/04/2024	07:07:47	धनु	गुरु	धनु	13:12:02	सूर्य	20/01/2019
सूर्य	03/09/2024	26:44:23	मक	शुक्र	मीन	00:52:32	चन्द्र	20/09/2020
चन्द्र	04/04/2025	26:03:22	कुंभ	शनि	कुंभ	28:40:27	मंगल	20/11/2021
मंगल	31/08/2025	28:27:05	कन्या व	राहु व	कन्या	25:25:45	राहु	20/11/2024
राहु	19/09/2026	28:27:05	मीन व	केतु व	मीन	25:25:45	गुरु	22/07/2027
गुरु	26/08/2027	05:54:54	मक	हर्ष	मक	07:33:43	शनि	20/09/2030
शनि	03/10/2028	01:06:57	मक	नेप	मक	02:10:23	बुध	21/07/2033
बुध	01/10/2029	08:21:10	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:02:37	केतु	20/09/2034



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

तबीपज का वर्ग मेष है तथा कपजप का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार तबीपज और कपजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

तबीपज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।
क्योंकि मंगल तबीपज की कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।
कपजप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।
क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल एकपजप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

तबीपज तथा एकपजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

